(ङ) आठवीं पंचवर्षीय योजना में मध्य प्रदेश राज्य में निम्नलिखित विद्युत परियोजनाओं को लाभ प्रदान करने वाली परियोजनाओं के रूप में परिकल्पित किया है :—

क्र. सं०	परियोजना का नाम	क्षमता (मे. वा.)
	जल विद्युत	
1.	बाणसागर टौन्स फेज–2 व 3 (90 मे. वा.)	2×15+3×20 आठवीं योजना के दौरान लाभ प्रदान करने के लिए
2.	बाणसागर टौन्स फेज–4 (20 मे. वा.)	20
3.	हंसदेव बांगो (120 मे. वा.)	3×40 (यूनिट–1 चालू की गई)
4.	राजघाट उत्तर प्रदेश/मध्य प्रदेश (22.5 मे.वा.)	3×15
5.	सरदार सरोवर (गुजरात/म.प्र/महा.) (1450 मे.वा.)	5×50
6.	ताबा एल.बी.सी. (निजी क्षेत्र) (12 मे.वा.)	2×6
	ताप विद्युत	
1.	संजय गांधी टी.पी.पी. (172) (420 मे. वा.)	2×210 (जब से चालू की गई)
2.	संजय गांधी विस्तार (यूनिट–3 व 4) (420 मे. वा.)	2×210
3.	पेंच–1 व 2 (420 मे. वा.)	2×210

ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत गांवों का विद्युतीकरण

7604. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन** : क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991–92, 1992–93 और 1993–94 के दौरान प्रत्येक राज्य को ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु कुल कितनी-कितनी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई ;

(ख) वर्ष 1993–94 के दौरान ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत कितने गांवों का विद्युतीकरण किया गया और इस संबंध में क्या लक्ष्य रखा गया था ;

(ग) क्या सरकार ने प्रत्येक राज्य में सभी गांवों का विद्युतीकरण करने हेतु कोई समयबद्ध योजना/कार्यक्रम बनाया है ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. बी. रंगैया) : (क) ग्राम विद्युतीकरण सहित ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यों के लिए ग्रामीण विद्युतीकरण निगम के माध्यम से वर्ष 1991–92, 1992–93 और 1993–94 के दौरान उपलब्ध करायी गयी राज्यवार वित्तीय सहायता का ब्यौरा विवरण–1 में दिया गया है। (नीचे देखिए)

(ख) वर्ष 1993–94 के दौरान गांवों के विद्युतीकरण के लिए राज्यवार लक्ष्य और उपलब्धियां विवरण–2 में दिए गए हैं। (नीचे देखिए)।

(ग) से (ङ) ग्रामीण विद्युतीकरण एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। ग्रामीण विद्युतीकरण कार्यक्रम के लिए राज्य योजना आयोग द्वारा, संबद्ध राज्य बिजली बोर्डों से प्राप्त प्रस्तावों और संसाधनों की समग्र उपलब्धता को मद्दे नजर रखते हुए, राज्य बिजली बोर्डों के साथ विचार-विमर्श करके वार्षिक आधार पर निर्धारित किए जाते हैं।

विवरण–1

ग्रामीण विद्युतीकरण कार्य के लिए वर्ष 1991–92 से 1993–94 के दौरान विभिन्न राज्य बिजली बोर्डों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता

(करोड़ रुपये)

क्र.सं.	राज्य	1991–92	1992–93	1993–94 (अनन्तिम)
1	आंध्र प्रदेश	28.21	48.15	184.92
2	अरूणाचल प्रदेश	4.00	4.50	5.24
3	असम	6.00	2.76	0
4	बिहार	11.44	3.77	2.88
5	गुजरात	22.54	25.03	36.58
6	हरियाणा	21.76	21.23	18.25
7	हिमाचल प्रदेश	4.69	4.31	4.81
8	जम्मू और कश्मीर	4.18	7.06	4.04
9	कर्नाटक	21.90	29.70	35.12
10	केरल	12.66	9.09	14.31
11	मध्य प्रदेश	127.92	91.34	122.22
12	महाराष्ट्र	47.92	33.01	56.48
13	मणिपुर	6.26	7.29	9.43
14	मेघालय	5.20	5.58	1.21
15	मिजोरम	6.85	7.63	12.27
16	नागालैंड	1.58	2.00	2.12
17	उड़ीसा	33.04	10.79	23.63
18	पंजाब	17.11	10.60	15.92
19	राजस्थान	45.00	58.84	72.22
20	सिक्किम	2.72	3.20	3.17
21	तमिलनाडु	27.37	25.00	49.52
22	त्रिपुरा	6.00	4.76	7.93
23	उत्तर प्रदेश	86.49	41.68	71.28
24	पश्चिम बंगाल	37.00	17.74	17.53
	कुल :	587.84	474.26	691.08

विवरण–2

ग्रामीण विद्युतीकरण के अंतर्गत वर्ष 1993–94 के दौरान ग्राम विद्युतीकरण के लिए राज्यवार लक्ष्य एवं उपलब्धियां

क्र.सं.	राज्य	लक्ष्य	उपलब्धियां (अनन्तिम)
1	आंध्र प्रदेश	—	×
2	अरूणाचल प्रदेश	150	80
3	असम	110	0
4	बिहार	250	205
5	गोवा	—	×
6	गुजरात	—	×
7	हरियाणा	—	×
8	हिमाचल प्रदेश	—	×
9	जम्मू व कश्मीर	10	7
10	कर्नाटक	—	×
11	केरल	—	×
12	मध्य प्रदेश	250	751
13	महाराष्ट्र	—	×
14	मणिपुर	115	85
15	मेघालय	70	23
16	मिजोरम	50	50
17	नागालैंड	—	×
18	उड़ीसा	235	52*
19	पंजाब	—	×
20	राजस्थान	650	752
21	सिक्किम	—	×
22	तमिलनाडु	—	×
23	त्रिपुरा	320	280
24	उत्तर प्रदेश	650	650
25	पश्चिम बंगाल	350	351
	कुल :	3210	3206
	संघ शासित क्षेत्र	0	0
	कुल जोड़ :	3210	3206

(×) 100 प्रतिशत गांव विद्युतीकृत किये गये ।

(*) फरवरी, 1994 तक की उपलब्धियां